पु●ना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Summative Assessment Assignment-2(2022-23)

Std-VI
Subject-Hindi

(अपठित-विभाग)

प्र-1 अपठित गदयांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) शरीर को स्वस्थ या निरोग रखने में व्यायाम का कितना महत्त्व है, इस पर कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। आज की भागदौड़ से भरी जिंदगी ने मनुष्य को इतना व्यस्त कर दिया है कि वह यह भी भूल गया- है कि इस सारी भाग-दौड़ का वह तभी तक हिस्सेदार है जब तक कि उसका शरीर भी स्वस्थ है। जो व्यक्ति अपने शरीर की उपेक्षा करता है वह अपने लिए रोग, बुढ़ापे तथा मृत्यु का दरवाजा खोलता है। वैसे तो अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित भोजन, स्वच्छ जल तथा शुद्ध वायु संयम तथा नियमित जीवन सभी कुछ आवश्यक है किंतु इन सबमें व्यायाम करने वाले व्यक्ति में कुछ ऐसी अद्भुत शक्ति आ जाती है कि अपने सारे शरीर पर उसका अधिकार हो जाता है।

प्रश्न-1 व्यायाम का क्या महत्त्व है?
उत्तर. शरीर को निरोगी रखने में व्यायाम का बहुत महत्त्व है।
प्रश्न-2 आज व्यक्ति क्या भूल गया है?
उत्तर. आज व्यक्ति यह भूल गया है कि वह भाग-दौड़ तभी कर सकता है जब तक वह शारीरिक रूप से स्वस्थ है।
प्रश्न-3 शरीर की उपेक्षा करने वाला व्यक्ति क्या नुकसान करता है ?
उत्तर. शरीर की उपेक्षा करने वाला व्यक्ति अपने लिए रोग, बुढ़ापे तथा मृत्यु का दरवाजा खोलता है।
प्रश्न-4 अच्छे स्वास्थ्य के लिए क्या-क्या आवश्यक हैं?
उत्तर. अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित भोजन, स्वच्छ जल, शुद्ध वायु, संयमित एवं नियमित जीवन आवश्यक है।
प्रश्न-5 उपयुक्त गदयांश का शीर्षक लिखिए |
उत्तर. व्यायाम का महत्व

2) मेरे देश का नाम भारत है, जो महाराज दुष्यंत एवं शकुंतला के प्रतापी पुत्र "भरत" के नाम पर रखा गया। पहले इसे "आर्यावर्त" कहा जाता था। इस पावन देश में राम, कृष्ण, महात्मा बुद्ध, वर्धमान महावीर आदि महापुरुषों ने जन्म लिया। इस देश में अशोक और अकबर जैसे प्रतापी सम्राट भी हुए हैं। इस देश के स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, लोकमान्य तिलक, गोपाल कृष्ण गोखले, लाला लाजपत राय, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, सरोजिनी नायडू आदि ने कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष किया।

प्रश्न-1 भारत का नाम किसके नाम पर रखा गया?
उत्तर. भारत का नाम महाराज दुष्यंत और शकुंतला के प्रतापी पुत्र भरत के नाम पर रखा गया।
प्रश्न-2 इस देश को पहले किस नाम से जाना जाता था?
उत्तर. इस देश को पहले "आर्यावर्त" के नाम से जाना जाता था।
प्रश्न-3 प्राचीन काल में किन-किन महापुरुषों ने इस देश में जन्म लिया?
उत्तर. प्राचीन काल में इस देश में राम, कृष्ण, महात्मा बुद्ध, वर्धमान महावीर जैसे महापुरुषों ने जन्म लिया।
प्रश्न-4 स्वतंत्रता संग्राम में संघर्ष करने वाले प्रमुख नेताओं के नाम बताइए।
उत्तर. स्वतंत्रता संग्राम में संघर्ष करने वाले प्रमुख नेता थे- महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, लोकमान्य तिलक, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, सरोजिनी नायडू आदि।
प्रश्न-5 उपयुक्त गदयांश का शीर्षक लिखिए |
उत्तर. " स्वतंत्र सेनानी "

3) हमारे देश के त्योहार चाहे धार्मिक दृष्टि से मनाए जा रहे हैं, या नए वर्ष के आगमन के रूप में; फसल की कटाई एवं खलिहानों के भरने की खुशी में हो या महापुरुषों की याद में; सभी अपनी विशेषताओं एवं क्षेत्रीय प्रभाव से युक्त होने के साथ ही देश की राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकता और अखंडता को मज़बूती प्रदान करते हैं। ये त्योहार जहाँ - जनमानस में उल्लास, उमंग एवं खुशहाली भर देते हैं, वहीं हमारे अंदर देश-भक्ति एवं गौरव की भावना के साथ-साथ, विश्व-बंधुत्व एवं समन्वय की भावना भी बढ़ाते हैं। इनके द्वारा महापुरुषों के उपदेश हमें बार-बार इस बात की

याद दिलाते हैं कि सद्विचार एवं सद्भावना द्वारा ही हम प्रगति की ओर बढ़ सकते हैं। इन त्योहारों के माध्यम से हमें यह भी शिक्षा मिलती है कि वास्तव में धर्मों का मूल लक्ष्य एक है, केवल उस लक्ष्य तक पहुँचने के तरीके अलग-अलग हैं।

प्रश्न-1 उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

उत्तरः गद्यांश का शीर्षक है-त्योहार और मानवजीवन।

प्रश्न-2 त्योहारों से मनुष्य को क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तरः त्योहारों से मनुष्य को यह शिक्षा मिलती है कि सभी धर्मों का लक्ष्य एक है, जहाँ पहुँचने के तरीके अलग-अलग हैं।

प्रश्न-3 हमारे देश में त्योहार मनाने के मुख्य आधार क्या हैं ?

उत्तरः हमारे देश में त्योहार मनाने के अनेक आधार हैं। ये त्योहार कभी धार्मिक दृष्टि से मनाए जाते हैं, तो कभी नववर्ष के आगमन की खुशी में या फ़सल करने और खलिहान भरने की खुशी इनके मनाने का आधार हो सकता है।

प्रश्न-4 त्योहारों का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है ?

उत्तरः त्योहार हमारे जीवन को उमंग एवं खुशहाली से भर देते हैं तथा हमारे मन में एकता, अखंडता, विश्व-बंधुत्व, देश भक्ति एवं आपसी समन्वय की भावना भी बढ़ाते हैं।

प्रश्न-5 त्योहारों और महापुरुषों के उपदेश में समानता गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः त्योहारों और महापुरुषों के उपदेशों में समानता यह है कि, ये दोनों ही हमें यह याद दिलाते हैं कि अच्छे विचार और अच्छी भावना रखने से ही हम प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सकते हैं।

प्र–2 अपठित पदयांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) बात सभी ने यह है मानी।
हवा सुबह की बड़ी सुहानी।
सदा ताज़गी देती है यह।
आलस को हर लेती है यह ॥
यह रोगी न होने देती।
तनिक न सेहत खोने देती।
सुबह सैर पर जाकर देखो।
हवा निराली पाकर देखो।
अगर सैर पर नित जाओगे।
अच्छी सेहत तुम पाओगे।

प्रश्न-1 इस कविता में किसका गुणगान किया गया है?

उत्तरः इस कविता में सुबह की ताज़गी भरी हवा का गुणगान किया गया है|

प्रश्न-2 सुबह की हवा के बारे में क्या बताया गया है?

उत्तरः सुबह की हवा के बारे में बताया गया है कि सुबह की हवा ताज़गी देती है, यह स्वस्थ रखती है,यह अच्छी सेहत देती है।

प्रश्न-3 सुबह सैर पर जाने से क्या लाभ मिलेगा?

उत्तरः सुबह सैर पर जाने से अच्छा स्वास्थ्य मिलेगा |

प्रश्न-4 " सुबह " शब्द का दो पर्यायवाची शब्द लिखिए |

उत्तरः " भोर " और " प्रभात "

प्रश्न-5 इस कविता का सबसे उपयुक्त शीर्षक होगा |

उत्तरः" सुबह की सैर"

2) आज करना है जिसे, करते उसे हैं आज ही।
सोचते कहते हैं जो कुछ कर दिखाते हैं वही ।।
मानते जी की हैं सुनते हैं, सदा सबकी कही।
जो मदद करते हैं अपनी इस जगत में आप ही ॥
भूलकर भी दूसरों का मुँह कभी तकते नहीं।
कौन ऐसा काम है, वे कर जिसे सकते नहीं॥

प्रश्न-1 कर्मवीर समय का सदुपयोग किस तरह करते हैं?

उत्तरः कर्मवीर बेकार की बातों में समय बरबाद नहीं करते

प्रश्न-2 कर्मवीर के काम करने के तरीके की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं ?

उत्तरः वे वीरता के कार्य करते हैं, मुसीबतें आने पर कभी हिम्मत नहीं हारते |

प्रश्न-3 'भूलकर भी दूसरों का मुँह कभी तकते नहीं' पंक्ति का भावार्थ है :-

उत्तरः भूलकर भी दूसरों का मुँह कभी तकते नहीं' पंक्ति का भावार्थ है :-वे दूसरों की मदद के लिए हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठते |

प्रश्न-4 " जगत " शब्द का दो पर्यायवाची शब्द लिखिए |

उत्तरः " दुनिया " और " संसार "

प्रश्न-5 कर्मवीर की दो मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ?

उत्तरः वे दृढ़ संकल्पी होते हैं, वे समय का सदुपयोग करते हैं |

: वे किसी की मदद लेने की उम्मीद में बैठे नहीं रहते

(लेखन–विभाग)

प्र–3 निम्नलिखित विषयों पर अनुच्छेद लिखिए।

1) पुस्तकों का महत्व

पुस्तकें हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण रोल अदा करती हैं क्योंकि पुस्तकों से हमें ज्ञान की प्राप्ति होती है। पुस्तकें हमारी अच्छी मित्र होती हैं एक पुस्तक जितना वफ़ादार और कोई नहीं होता है। एक पुस्तक ज्ञान तो हमें देती ही हैं इससे हमारा अच्छा ख़ासा मनोरंजन भी हो जाता है। इसीलिए पुस्तकों को हमारा मित्र कहना गलत नहीं होगा। - पुस्तकें तो प्रेरणा का भंडार होती हैं इन्हें पढ़कर ही हमें जीवन में महान कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। पुस्तक अपने विचारों और भावनाओं को दूसरों तक पहुंचाने का सबसे अच्छा साधन है। पुस्तकें प्रेरणा की भंडार होती हैं| उन्हें पढ़कर जीवन में कुछ महान कर्म करने की भावना जागती है| महात्मा गाँधी को महान बनाने में - गीता,टालस्टाय और थोरो का भरपूर योगदान था| भारत की आज़ादी का संग्राम लड़ने में पुस्तकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका थी| प्रत्येक छात्र को अच्छी और शिक्षाप्रद पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। इससे विद्यार्थियों के चरित्र-निर्माण पर गहरा असर पड़ता है। इस पुस्तक को पढने से धर्म के मार्ग पर चलने की सीख मिलती है। इसलिए मेरी दृष्टि में "रामचरितमानस" बहुत ही अच्छी पुस्तक है। "रामचरितमानस" में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के चरित्र का वर्णन है। राम एक आदर्श पुरुष थे। वे चौदह वर्ष तक लक्ष्मण व सीताजी सहित वन में रहे। वे एक आदर्श राजा थे। उन्होंने प्रजा की बातों को बहुत महत्व दिया। राम का शासनकाल आदर्शपूर्ण था, इसलिए उनका शासन राम राज कहलाता है। सीता एक आदर्श नारी थीं। लक्ष्मण की भातृभक्ति प्रशासंनीय है। पुस्तकें चरित्र निर्माण का सबसे अच्छा साधन होती हैं अच्छे विचारों , प्रेरणादायक कहानियों से भरपूर किताबों से देश की युवा पीढ़ी को एक नयी दिशा दी जा सकती है। इनसे ही देश में एकता का पाठ पढ़ाया जा सकता है। इसीलिए पुस्तकें ज्ञान की बहती हुई गंगा हैं जो कभी नहीं थमती। किन्तु देखा गया है के कुछ पुस्तकें ऐसी भी होती हैं जो हमारा गलत मार्ग दर्शन करती हैं इसीलिए हमें ऐसी पुस्तकों को पढने से बचना चाहिए हमेशा ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक पुस्तकें ही पढनी चाहिए|

2) मेरी माँ

मेरे जीवन में यदि किसी ने मुझपर सबसे ज्यादे प्रभाव डाला है, तो वो मेरी माँ है। उसने मेरे जीवन में मुझे कई सारी चीजें सिखायी है जो मेरे पूरे जीवन मेरे काम आयेंगी। मैं इस बात को काफी गर्व के साथ कह सकता हूं कि मेरी माँ मेरी गुरु तथा आदर्श होने के साथ ही मेरे जीवन का प्रेरणा स्त्रोत भी है।हरेक व्यक्ति के जीवन में कोई ना कोई उसका प्रेरणा स्त्रोत अवश्य होता है और उसी से वह अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा अपने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा ग्रहण करता है। किसी के जीवन में उसके शिक्षक उसके प्रेरणा स्त्रोत हो सकते है, तो किसी के जीवन में कोई सफल व्यक्ति उसका प्रेरणा स्त्रोत हो सकता है लेकिन मेरे जीवन में मैं अपनी माँ को ही अपना सबसे बड़ा प्रेरणा मानता हूं। वहीं वह व्यक्ति हैं जिन्होंने मुझे मेरे जीवन में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और सदैव आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की।आज तक के अपने जीवन में मैने अपने माँ को कभी विपत्तियों के आगे घुटने टेकते हुए नही देखा है। मेरे सुख-सुविधाओं के लिए उन्होंने कभी भी अपने दुखों की परवाह नही की वास्तव में वह त्याग और प्रेम की प्रतिमूर्ति है, मेरे सफलताओं के लिये उन्होंने ना जाने कितने कष्ट सहें है। उनका व्यवहार, रहन-सहन तथा इच्छाशक्ति मेरे जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा है। मेरी माँ मेरी प्रेरणा स्त्रोत इसलिए भी है क्योंकि ज्यादेतर लोग कार्य करते हैं कि उन्हें प्रसिद्धि प्राप्त हो और वह समाज में नाम कमा सके लेकिन एक माँ कभी भी यह नही सोचती है वह तो बस अपने बच्चों को उनके जीवन में सफल बनाना चाहती है। वह जो भी कार्य करती है, उसमें उसका अपना कोई स्वार्थ नही होता है। यही कारण है कि मैं अपने माँ को पृथ्वी पर ईश्वर का एक रुप मानता हूं। उनके मेहनत, निस्वार्थ भाव, साहस तथा त्याग ने मुझे सदैव ही प्रेरित करने का कार्य किया है। उन्होंने मुझे समाजिक व्यवहार से लेकर ईमानदारी तथा मेहनत जैसी महत्वपूर्ण शिक्षाएं दी हैं। यही कारण है कि मैं उन्हें अपना सबसे अच्छा शिक्षत, मित्र तथा प्रेरक मानता हूं।

3) होली

होली हर साल फाल्गुन मार्च के महीने में विभिन्न प्रकार के रगों के साथ मनाई जाती है। सभी घरों में तरह तरह के पकवान बनाये जाते हैं। होली हिंदुओं का एक प्रमुख त्योहार के रूप में मनाया जाता है। होली सिर्फ हिन्दुओं ही नहीं बल्कि सभी समुदाय के लोगों द्वारा उल्लास के साथ मनाया जाता है। होली का त्योहार लोग आपस में मिलकर, गले लगकर और एक दूसरे को रंग लगाकर मनाते हैं। इस दौरान धार्मिक और फागुन गीत भी गाये जाते हैं। इस दिन पर हम लोग खासतौर से बने गुजिया, पापड़, हलवा, आदि खाते हैं। रंग की होली से एक दिन पहले होलिका दहन किया जाता है। होली का त्यौहार मनाने के पीछे एक प्राचीन इतिहास है। प्राचीन समय में हिरण्यकश्यप नाम के एक असुर हुआ करता था। उसकी एक दुष्ट बहन थी जिसका नाम होलिका था। हिरण्यकश्यप स्वयं को भगवान मानता था। हिरण्यकश्यप के एक पुत्र थे जिसका नाम प्रहलाद था। भगवान विष्णु के बहुत बड़े भक्त थे। हिरण्यकश्यप भगवान विष्णु के विरोधी था। उन्होंने प्रहलाद को विष्णु की भक्ति करने से बहुत रोका। लेकिन प्रहलाद ने उनकी एक भी बात नहीं सुनी। इससे नाराज़ होकर हिरण्यकश्यप ने प्रहलाद को जान से मारने का प्रयास किया। इसके लिए हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका से मदद मांगी। क्योंकि होलिका को आग में न जलने का वरदान मिला हुआ था। उसके बाद होलिका प्रहलाद को लेकर चिता में बैठ गई लेकिन जिस पर विष्णु की कृपा हो उसे क्या हो सकता है और प्रहलाद आग में सुरक्षित बचे रहे जबकि होलिका उस आग में जल कर भस्म हो गई। यह कहानी ये बताती है कि बुराई पर अच्छाई की जीत अवश्य होती है। आज भी सभी लोग रात में होलिका दहन करते हैं और उसके अगले दिन सब लोग एक दूसरे को गुलाल, अबीर और तरह-तरह के रंग डालकर होली खेलते हैं।भारत में होली का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में अलग अलग तरीके से मनाया जाता है। होली का त्यौहार बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक माना जाता है इस त्यौहार से सीख लेते हुए हमें भी अपनी बुराइयों को छोड़ते हुए अच्छाई को अपनाना चाहिए।

प्र–4 निम्नलिखित विषयों पर पत्र लिखिए।

1) पर्यावरण में हो रही क्षति के सन्दर्भ में अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का निवेदन करते हुए किसी प्रतिष्ठित दैनिक पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।

424, शालीमार बाग,
दिल्ली।
दिनांक 16 मार्च, 2020
सेवा में,
सम्पादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
दिल्ली।

विषय- अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

इस पत्र के माध्यम से मैं प्रशासन, सरकार व आम जनता का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहती हूँ कि वृक्षों की अन्धाधुन्ध कटाई व कारखानों से निकलने वाले धुएँ के कारण पर्यावरण को अत्यधिक क्षति हो रही है। यद्यपि वन महोत्सव के अवसर पर वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आरम्भ किया जाता है तथा अनेक वृक्ष भी लगाए जाते हैं, परन्तु उनकी देखभाल नहीं की जाती जिसके कारण पर्यावरण में प्रदूषण का खतरा बढ़ता जा रहा है। मेरा सभी से निवेदन है कि हम सभी को मिलकर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने होंगे जिससे हम पर्यावरण को सुरक्षित कर पाएँगे।

धन्यवाद।
राहुल

2) अपनी परीक्षा के विषय में पिताजी को पत्र लिखिए।

E/22 सुभाष नगर
जे. पी.रोड
सुभाष नगर
गुवाहाटी

पूज्यवर पिताजी,

सादर चरण स्पर्श ।ईश्वर की कृपा से मैं यहाँ सकुशल हूँ । आपकी कुशलता की आशा है।आपका पत्र मिला, जिसमें आपने मेरी परीक्षा के विषय में जानना चाहा था । मेरी परीक्षाएँ कल ही समाप्त हुई हैं । सभी विषयों के प्रश्न-पत्र बड़े सरल थे । मैंने पूरा प्रयत्न किया कि सभी प्रश्नों के उत्तर ठीक-ठाक लिखूँ ताकि अपनी कक्षा में सबसे अधिक अंक पा सकूँ पिछली बार की जाँच परीक्षा में भी मेरे अंक अच्छे रहे, लेकिन हिन्दी में कुछ कम अंक आने के कारण मैं अपनी कक्षा में तीसरे स्थान पर रहा ।इसीलिए इस बार परीक्षा से पहले मैंने और अधिक अच्छी तैयारी की थी ।

आशा है, इस बार मैं निश्चय ही प्रथम स्थान प्राप्त कर सकूँगी । माताजी को मेरा सादर प्रणाम । भाई-बहनों को मेरा प्यार । पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में,

आपकी आज्ञाकारिणी पुत्री

निशा

प्र–5 निम्नलिखित विषय पर विज्ञापन तैयार कीजिए।

- **लवली' पेंसिलें बनाने वाली कंपनी के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए।**

मोहित' बैग बनाने वाली कंपनी के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

'

(व्याकरण–विभाग)

प्र-6 क्रियाविशेषण के भेद लिखिए |

1. कालवाचक क्रियाविशेषण:

वो क्रियाविशेषण शब्द जो क्रिया के होने के समय के बारे में बताते हैं, कालवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं।

जैसे:

1) श्यामू **कल** मेरे घर आया था।
2) **परसों** बरसात होगी।
3) मैंने **सुबह** खाना खाया था।
5) **सुबह** जल्दी उठता हूँ।
6) मैं **दोपहर** में स्कूल से लौटता हूँ।
7) हम अक्सर **शाम** को खेलने जाते हैं |
8) मैं **शाम** को खेलता हूँ।

2. रीतिवाचक क्रियाविशेषण

ऐसे क्रियाविशेषण शब्द जो किसी क्रिया के होने की विधि या तरीके का बोध कराते हैं, वह शब्द रीतिवाचक क्रिया विशेषण कहलाते हैं।

जैसे:

1) सुरेश **ध्यान** से चलता है।
2) अमित **गलत चाल** चलता है।
3) पियूष **अच्छी तरह** काम करता है।
4) शेर **धीरे-धीरे** आगे बढ़ता है।
5) हरीश **ध्यानपूर्वक** पढ़ रहा है।
6) वह **तेज** भागता है।
7) वह **फटाफट** खाता है।
8) उमेश **हमेशा** सच बोलता है।
9) नरेन्द्र **ध्यानपूर्वक** पढ़ाई करता है।
10) अचानक काले बादल घिर आए।

3. स्थानवाचक क्रियाविशेषण :

ऐसे अविकारी शब्द जो हमें क्रियाओं के होने के स्थान का बोध कराते हैं, वे शब्द स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं।

जैसे:

1) तुम **अन्दर** जाकर बैठो।
2) हम **छत पर** सोते हैं।
3) शशि मुझसे बहुत **दूर** बैठी है।
4) तुम अपने **दाहिने** ओर गिर जाओ।
5) अब **वहाँ** अकेला मजदूर था |
6) वह **ऊपर** बैठा है।
7) मैं **बाहर** खेलता हूँ।
8) मैं **पेड़ पर** बैठा हूँ।
9) मुरारी **मैदान** में खेल रहा है।
10) बच्चे **ऊपर** खेलते हैं।
11) तुम **बाहर** बैठो।

4. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

ऐसे क्रियाविशेषण शब्द जिनसे हमें क्रिया के परिमाण, संख्या या मात्र का पता चलता है, वे शब्द परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं।

जैसे:

1) तुम **थोड़ा** खाओ।
2) अमृत बहुत **ज्यादा** दौड़ता है।
3) मोहन **अधिक** खाना खाता है।
4) आयुष उसके दोस्त से **ज्यादा** पढता है।
5) अभी तक तुमने **पर्याप्त** नींद नहीं ली।

प्र-7 मुहावरों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए |

1) अँगूठा दिखाना- समय पर धोखा देना

अपना काम तो निकाल लिया, पर जब मुझे जरूरत पड़ी, तब अँगूठा दिखा दिया। भला, यह भी कोई मित्र का लक्षण है।

2) अंधेर मचना- अत्याचार करना

- औरंगजेब ने अपने शासनकाल में बहुत अंधेर मचाया था।

3) अगर-मगर करना- टाल-मटोल करना

– माँ ने अंकित से पढ़ने के लिए कहा तो वह अगर-मगर करने लगा।

4) कान भरना - चुगली करना

– विशाल को कान भरने की बुरी आदत है।

5) आग बबूला होना- अति क्रोधित होना

- राधा जरा-सी बात पर आग बबूला हो गई।

6) ख़ाक छानना – भटकना

- नौकरी की खोज में वह खाक छानता रहा।

7) आँखें चुराना- अपने को छिपाना

– गलत काम करके आँखें चुराने से कुछ नहीं होगा।

8) गाँठ में बाँधना - खूब याद रखना

- यह बात गाँठ में बाँध लो, तंदुरस्ती रही तो सब रहेगा।

9) चेहरे का रंग उड़ना- निराश होना

- जब रानी को परीक्षा में फेल होने की सूचना मिली तो उसके चेहरे का रंग उड़ गया।

10) ईंट-से ईंट बजाना- विनाश करना

– पांडवों ने कौरव-सेना की ईंट-से ईंट बजा दी।

11) आसमान सिर पर उठाना -बहुत शोर करना

– अध्यापक के कक्षा से चले जाने पर बच्चों ने आसमान सिर पर उठा लिया।

12) अम्बर के तारे गिनना- नींद न आना।

- तुम्हारे वियोग में मैं रातभर अम्बर के तारे गिनता रहा।

13) ईद का चाँद होना- बहुत दिनों बाद दिखाई देना

- तुम तो कभी दिखाई ही नहीं देते, तुम्हे देखने को तरस गया, ऐसा लगता है कि तुम ईद के चाँद हो गए हो।

14) उबल पड़ना - एकाएक क्रोधित होना

- दादी माँ से सब बच्चे डरते हैं, पता नहीं वे कब उबल पड़ें।

15) एक से इक्कीस होना - उन्नति करना

- सेठ जी की दुकान चल पड़ी हैं, अब तो शीघ्र ही एक से इक्कीस हो जाएँगे।

प्र-8 अनेक शब्दों के एक शब्द लिखिए |

1) इतिहास से संबंध रखने वाला- ऐतिहासिक
2)ऋषियों के रहने का स्थान- आश्रम
3)किसी से भी न डरना वाला- निडर
4)जिस स्त्री का पति जीवित हो- सधवा
5)जहाँ लोगों का मिलन हो- सम्मेलन
6)जो आँखों के सामने न हो - परोक्ष
7)तेज़ गति से चलने वाला - द्रुतगामी
8)जो देखने योग्य हो- दर्शनी
9)जिसमें रस न हो- नीरस
10)जो गाना गाती हो -गायिका
11)इतिहास से संबंध रखने वाला- ऐतिहासिक
12)जो पुरुष कविता रचता है- कवि
13)जो गाना गाता हो- गायक
14)अत्याचार करने वाला- अत्याचारी
15)जल में रहने वाला- जलचर
16)भाषण सुनने वाला- श्रोता
17)जो कभी बूढ़ा न हो- अजर
18)जिसे पाना कठिन हो- दुर्लभ
19) एक सप्ताह में होने वाला- साप्ताहिक
20)कठिनता से प्राप्त होने वाला - दुर्लभ
21)किसी प्राणी को न मारना - अहिंसा
22)जिसकी कोई सीमा न हो - असीम
23) जिसके आने की तिथि न हो - अतिथि
24) वन में रहने वाला मनुष्य- वनवासी
25)जिसका कोई कारण न हो - अकारण
26)जो पढ़ने योग्य हो- पठनीय
27)शहर में रहने वाला- शहरी
28)विज्ञान से संबंध रखने वाला- वैज्ञानिक
29)समाज-सेवा करने वाला- समाज-सेवक
30)जो स्त्री कविता रचती है- कवयित्री
31)शरण में आया हुआ- शरणागत
32)जंगल में रहने वाला- जंगली
33)भाषण देने वाला- वक्ता

प्र-9 विराम चिह्न को पहचानकर उनके नाम लिखिए |

(1) अल्प विराम (Comma) (,)
(2) अर्द्ध विराम (Semi colon) (;)
(3) पूर्ण विराम(Full-Stop) (।)
(4) उप विराम (Colon) [:]
(5) विस्मयादिबोधक चिह्न (Sign of Interjection)(!)
(6) प्रश्नवाचक चिह्न (Question mark) (?)
(7) कोष्ठक (Bracket) (())
(8) योजक चिह्न (Hyphen) (-)
(9) अवतरण चिह्न या उद्धरणचिह्न (''... '')
(10) लाघव चिह्न (Abbreviation sign) (o)
(11) आदेश चिह्न (Sign of following) (:-)
(12) रेखांकन चिह्न (Underline) (_)
(13) लोप चिह्न (Mark of Omission)(...)

प्र-10 निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए |

1. आप अपने मन में सोचे ।	1.आप स्वयं सोचें।
2. उसकी आवाज कान में सुनाई पड़ी।	2. उसकी आवाज कान में सुनाई दी।
3. वह देर में खाना खाता है ।	3. वह देर से खाना खाता है ।
4. यह बात कहने पर कठिनाई है।	4. यह बात कहने में कठिनाई है|
5. वह अभी अभी खाना खाए हैं ।	5. उन्होंने अभीअभी खाना खाया है-
6. आपने मुस्कुरा दिया।	6. आप मुस्कुरा दिए ।
7. कल सभा के बीच इस पर विचार होगा ।	7. कल सभा में इस पर विचार होगा |
8. वह अवश्य ही मेरे घर आएगा।	8. वह मेरे घर अवश्य आएगा।
9. वह स्वयं ही अपना काम कर लेगा ।	9. वह स्वयं अपना काम कर लेगा।
10. देश में सर्वस्व शांति है ।	10. देश में सर्वत्र शांति है।
11. उसे लगभग पूरे अंक प्राप्त हुए।	11. उसे पूरे अंक प्राप्त हुए।
12. भारतीय वीरों के सामने शत्रु की सेनाएं दौड़ गई।	12. भारतीय वीरों के सामने शत्रु की सेनाएं भाग गई ।
13. हाथियों की दहाड़ सुनकर हम डर गए।	13. हाथियों के चिंघार सुनकर हम डर गए ।
14. किसी को क्षमा करने में ही बड़ाईपन है।	14. किसी को क्षमा करने में ही बड़प्पन है।
15. दहेज की लेनदेन बहुत बुरा रिवाज है।	15. दहेज का लेनदेन बहुत बुरा रिवाज है ।

(साहित्य-विभाग)

प्र-11 सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) रानी लक्ष्मीबाई किसकी मुँहबोली बहन थी?
(i) अजीमुल्ला खाँ (ii) अहमदशाह
(iii) कुँवर सिंह **(iv) नाना धुंधूपंत पेशवा**

2) कवयित्री ने झाँसी की रानी की कथा किसके मुँह से सुनी थी?
(i) मराठों के **(ii) बुंदेलों के**
(iii) अपने अध्यापक के (iv) कवियों के

3) नाना साहब कहाँ के रहने वाले थे?
(i) इलाहाबाद। (ii) झाँसी
(iii) कानपुर (iv) ग्वालियर

4) इनमें किस पेड़ की छाल चिकनी होती है?
(i) चीड़ **(ii) भोज-पत्र**
(iii) पीपल (iv) बरगद

5) "जो देखकर भी नहीं देखते' पाठ के लेखक कौन हैं?
(i) प्रेमचंद (ii) सुंदरा स्वामी
(iii) जया विवेक **(iv) हेलेन केलर**

6) नेहरू जी ने यह पत्र किसको लिखा था?
(i) भारत के बच्चों को **(ii) अपनी पुत्री इंदिरा को**
(iii) भारत के साहित्यकारों को (iv) धार्मिक नेताओं को

7) लेखक ने प्रकृति के अक्षर किसे कहा है?
(i) पहाड़ों को (ii) नदी और मैदानों को
(iii) पक्षियों और पेड़ों को **(iv) उपर्युक्त सभी**

8) किसी भाषा को सीखने के लिए सबसे पहले क्या सीखना होता है?
(i) वर्ण (ii) शब्द
(iii) वाक्य **(iv) शब्दांश**

9) लोकगीतों की भाषा कैसी होती है?
(i) संस्कृतनिष्ठ (ii) शास्त्रीय
(iii) आम बोलचाल (iv) अनगढ़

10) गांधी जी पैदल क्यों चलते थे?
(i) पैसा बचाने के लिए **(ii) स्वस्थ रहने के लिए**
(iii) उनको डॉक्टर ने सलाह दी थी (iv) इनमें से कोई नहीं

11) गांधी जी के साथ दक्षिण अफ्रीका में कौन ठहरा था?

(i) रामकृष्ण गोखले **(ii) गोपाल कृष्ण गोखले**

(iii) सरदार बल्लभ भाई पटेल (iv) नेताजी सुभाष चंद्र बोस

12) बाँस इकट्ठा करने का मौसम कौनसा है-?

(i) जनवरी से मार्च **(ii) जुलाई से अक्टूबर**

(iii) नवंबर एवं दिसंबर (iv) अप्रैल से जून

13) भारत में बाँस किस प्रांत में अधिक पाया जाता है?

(i) नागालैंड (ii) असम

(iii) मणिपुर व त्रिपुरा **(iv) उपर्युक्त सभी**

14) चंगकीचंगलनबा थे?

(i) वैज्ञानिक (ii) लेखक

(iii) जादूगर (iv) कारीगर

15) लोकगीत शास्त्रीय संगीत से किस मायने में भिन्न है?

(i) लय, सुर और ताल में

(ii) मधुरता में

(iii) सोच, ताजगी और लोकप्रियता में

(iv) इनमें कोई नहीं

प्र-12 निम्नलिखित अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) रानियों और बेगमों की क्या दशा थी?

उत्तर- वे परेशान थीं, क्योंकि उनके कपड़े और गहने खुलेआम बाजारों में बेचे जा रहे थे।

2) महल में खुशी का कारण क्या था?

उत्तर- विवाह के बाद रानी लक्ष्मीबाई का महल में आना खुशी का प्रमुख कारण था।

3) लेखिका के कानों में किसके मधुर स्वर गूंजने लगते थे?

उत्तर- लेखिका के कानों में चिड़ियों के मधुर स्वर गूंजने लगते थे।

4) इस दुनिया के लोग कैसे हैं?

उत्तर- इस दुनिया के अधिकांश लोग संवेदनहीन हैं। वे अपनी क्षमताओं की कद्र करना नहीं जानते।

5) हेलेन केलर अपने मित्रों की परीक्षा क्यों लेती है?

उत्तर- हेलेन केलर अपने मित्रों की परीक्षा यह परखने के लिए लेती है कि वे क्या देखते हैं।

6) एक रोड़ा दरिया में लुढ़कता-लुढ़कता किस रूप में बदल जाता है?

उत्तर- रोड़ा दरिया में लुढ़कते-लुढ़कते छोटा होता जाता है और अंत में रेत का कण बन जाता है।

7) लेखक ने "प्रकृति के अक्षर" किन्हें कहा है?

उत्तर:-लेखक ने प्रकृति के अक्षर चट्टानों के टुकड़े, वृक्षों, पहाड़ों, नदियों, समुद्र,जानवरों की हड्डियाँ आदि को कहा है।

8) हम इतिहास में क्या पढ़ते हैं?

उत्तर- हम इतिहास में विभिन्न देशों के बीते हुए समय की जानकारी पढ़ते हैं,जैसे हिंदुस्तान और इंग्लैंड का इतिहास।

9) लोकगीत किससे जुड़े हैं?

उत्तर- लोकगीत सीधे आम जनता से जुड़े हैं? ये घर, गाँव और नगर की जनता के गीत हैं।

10) वास्तविक लोकगीतों का संबंध कहाँ से है?

उत्तर- वास्तविक लोकगीतों का संबंध देश के गाँवों और देहातों से है।

11) बोअर-युद्ध के दौरान गांधी जी ने क्या किया?

उत्तर- बोअर-युद्ध के दौरान गांधी जी ने घायलों को स्ट्रेचर पर ढोया था।

12) गांधी जी घर के लिए आटा कैसे तैयार करते थे?

उत्तर-गांधी जी ज़रूरत का महीन या मोटा आटा सुबह-शाम चक्की से पीसकर तैयार कर लेते थे।

13) गांधी जी लिखते समय किस बात का ध्यान रखते थे?

उत्तर-गांधी जी रात को लालटेन की रोशनी में पत्र लिखते थे। जब तेल खत्म हो जाता तब वे चंद्रमा की रोशनी में पत्र पूरा करते थे।

14) बाँस से क्याजाती हैं क्या चीजें बनाई-?

उत्तर- बाँस से चटाइयाँ, टोकरियाँ, बरतन, बैलगाड़ियाँ, फ़र्नीचर, खिलौने, सजावटी सामान, जाल, मकान, पुल आदि चीजें बनाई जाती हैं|

15) बूढ़े बाँस की क्या पहचान है?

उत्तर- तीन साल से अधिक आयु का बाँस बूढ़ा माना जाता है। बूढ़ा बाँस सख्त होता है जिसके कारण बहुत जल्दी टूट जाता है।

(बाल-रामायण)

1) राम ने लक्ष्मण को क्या आदेश दिया था?

उत्तर- राम ने लक्ष्मण को उनके लौटने तक सीता की रक्षा का आदेश दिया था ।

2) सीता क्या सुनकर विचलित हो गई?

उत्तर - सीता मायावी पुकार सुनकर विचलित हो गई ।

3) लक्ष्मण के जाते ही कौन आ पहुँचा?

उत्तर- लक्ष्मण के जाते ही रावण आ पहुँचा ।

4) रावण किस वेश में आया था?

उत्तर-रावण तपस्वियों के वेश में आया था ।

5) रावण ने सीता के किन गुणों की प्रशंसा की?

उत्तर- रावण ने सीता के स्वरुप, संस्कार और साहस की प्रशंसा की ।

6) रावण सीता को लेकर सीधे कहाँ गया?

उत्तर-रावण सीता को लेकर सीधे अपने अंतःपुर में गया।

7) कबंध ने राम से क्या आग्रह किया?

उत्तर- कबंध ने राम से आग्रह किया कि उसका अंतिम संस्कार राम करें।

8) वानरराज सुग्रीव` कहाँ रहते थे?

उत्तर- वानरराज सुग्रीव पंपा सरोवर के निकट ऋष्यमूक पर्वत पर रहते थे।

9) पंपा सरोवर के पास किसका आश्रम था?

उत्तर- पंपा सरोवर के पास मतंग ऋषि का आश्रम था।

10) शबरी कौन थी और वो कहाँ रहती थी?

उत्तर - शबरी मतंग ऋषि की शिष्या थी और वह मतंग ऋषि के आश्रम में ही रहती थी।

11) सुग्रीव के बड़े भाई का क्या नाम था?

उत्तर - सुग्रीव के बड़े भाई का नाम बाली था।

12) सुग्रीव के प्रमुख साथी कौन थे?

उत्तर - सुग्रीव के प्रमुख साथी हनुमान थे।

13) सुरसा कौन थी और वह क्या चाहती थी?

उत्तर- सुरसा विराट शरीर वाली राक्षसी थी और वह हनुमान को खा जाना चाहती थी ।

16) कुंभकर्ण कौन था?

उत्तर- कुंभकर्ण रावण का भाई था। वह एक महाबली था जो छह महीने सोता था।

17) हनुमान कौन सी बूटी लाए?

उत्तर - हनुमान संजीवनी बूटी लाए।

18) राम का राजतिलक किसने किया?

उत्तर -राम का राजतिलक मुनि वशिष्ठ ने किया।

प्र-13 निम्नलिखित लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) झाँसी की रानी के जीवन से हम क्या प्रेरणा ले सकते हैं?

उत्तर- झाँसी की रानी के जीवन से हम देश के लिए मर मिटने, स्वाभिमान से जीने, विपत्तियों से न घबराने, साहस, दृढ़ निश्चय, नारी अबला नहीं सबला है आदि की प्रेरणा ले सकते हैं।

2) मनुष्य का स्वभाव क्या है?

उत्तर- मनुष्य अपनी क्षमताओं की कदर नहीं करता। वह अपनी ताकत और अपने गुणों को नहीं पहचानता। वह नहीं जानता कि ईश्वर ने उसे आशीर्वाद स्वरूप क्या-क्या दिया है और उसका उपयोग नहीं कर सकता है। मनुष्य केवल उस चीज़ के पीछे भागता रहता है, जो उसके पास नहीं है। यही मनुष्य का स्वभाव है।

3) लेखक ने संसार को पुस्तक क्यों कहा है?

उत्तर-जैसे पुस्तक पढ़कर बहुत-सी जानकारी प्राप्त की जा सकती है, वैसे ही संसार में रहकर भी हमें बहुत-सी जानकारियाँ प्राप्त हो सकती हैं। इसलिए लेखक ने संसार को पुस्तक कहा है।

4) लाखों-करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती कैसी थी?

उत्तर:-लाखों करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती बहुत गर्म थी और उस पर कोई जानदार चीज नहीं रह सकती थी। इसी कारण उस समय धरती पर मनुष्यों का अस्तित्व नहीं था।धीरे-धीरे उसमें परिवर्तन होते गए और धरती में जानवरों और पौधे का जन्म हुआ।

5) स्त्रियों द्वारा गाए जाने वाले लोकगीतों की क्या विशेषता है?

उत्तर- गाँवों में स्त्रियाँ प्राचीन काल से ही लोकगीत गाती आ रही हैं? इनके गीत आमतौर पर दल बाँधकर ही गाए जाते हैं। अनेक कंठ एक साथ फूटते हैं। यद्यपि अधिकतर उनमें मेल नहीं होता, फिर भी त्योहारों और शुभ अवसरों पर वे बहुत ही भले लगते हैं। स्त्रियाँ ढोलक के साथ गाती हैं।

6) आश्रम के निर्माण के समय कौन-सी घटना घटित हुई?

उत्तर-आश्रम के निर्माण के समय वहाँ आने वाले मेहमानों को तंबुओं में सोना पड़ता था। एक नवागत को पता नहीं था कि अपना बिस्तर कहाँ रखना चाहिए, इसलिए उसने बिस्तर को लपेटकर रख दिया और यह पता लगाने गया कि उसे कहाँ रखना है। लौटते समय उसने देखा कि गांधी जी खुद उसका बिस्तर कंधे पर उठाए रखने चले जा रहे हैं।

7) नौकरों के बारे में गांधी जी के क्या विचार थे?

उत्तर- गांधी जी नौकरों को भी अपने भाइयों के समान मानते थे। उनका विचार था कि नौकर वेतन लेनेवाले मजदूर नहीं। हमें उनके साथ सदैव भाई जैसा व्यवहार करना चाहिए।

8) बाँस की बुनाई कैसे होती है?

उत्तर- बाँस की बुनाई वैसी ही होती है जैसे कोई और बुनाई। पहले खपच्चियों को आड़ातिरछा रखा जाता है-, फिर बाने को। बारी नीचे किया जाता है। इससे चेक का डिजाइन बनता है। पलंग-बारी से ताने से ऊपर- की निवाड़ की बुनाई की तरह। टोकरी के सिरे पर खपच्चियों को या तो चोटी की तरह गूंथ लिया जाता है या फिर कटे सिरों को नीचे की ओर मोड़कर फँसा दिया जाता है।

> >